भूखी लोमड़ी और बुद्धिमान बत्तख

कैथलीन लीवरिच

चित्र: पॉल गैल्डोन

भूखी लोमड़ी और बुद्धिमान बत्तख

कैथलीन लीवरिच

चित्र: पॉल गैल्डोन
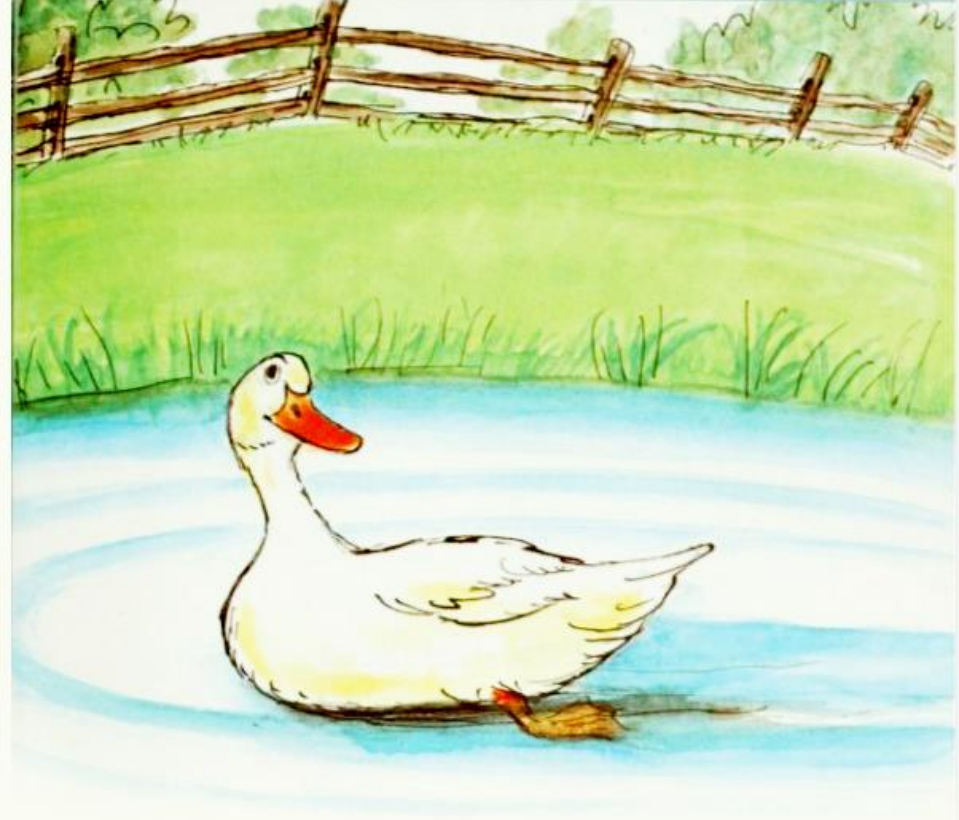
यहाँ से कुछ ही दूर पर एक बहुत ही
बुद्धिमान छोटी बत्तख रहती थी.

वो छोटी बत्तख एक खेत में तालाब पर रहती
थी जिसके चारों ओर बाड़ लगी हुई थी.

दिन भर, छोटी बत्तख
धूप सेंकती और ताल
में तैरती रहती थी.

चारों ओर बाड़ लगी हुई थी. खेत में
तालाब पर बत्तख का जीवन शांतिपूर्ण था.

एक सुबह छोटी बत्तख ने
एक भूखी लाल लोमड़ी को देखा.

लोमड़ी तालाब के किनारे खड़ी थी.

"आओ और मेरे साथ नाश्ता करो,"
लोमड़ी ने बत्तख से कहा.

बत्तख ने लोमड़ी की ओर देखा.

"यह लोमड़ी भूखी है,"

उसने मन-ही-मन सोचा.

"वो मुझे खाना चाहती है."

छोटी बत्तख ने जल्दी से सोचा.

"देखो, बिना मेज़ के हम कैसे नाश्ता कर सकते हैं?"
बत्तख ने कहा.

"वहीं रुको," लोमड़ी ने पुकारा.

"मैं अभी एक मेज़ लेकर आती हूँ."

लोमड़ी मैदान के उस पार भागी.

वह बाड़ के नीचे भागी.

वह जंगल से भागी और अंत में वह एक
लकड़हारे की झोपड़ी के पास पहुँची.

लोमड़ी ने अंदर झांककर देखा.

घर पर कोई नहीं था, लेकिन खिड़की के पास
एक छोटी सी टेबल पड़ी थी.
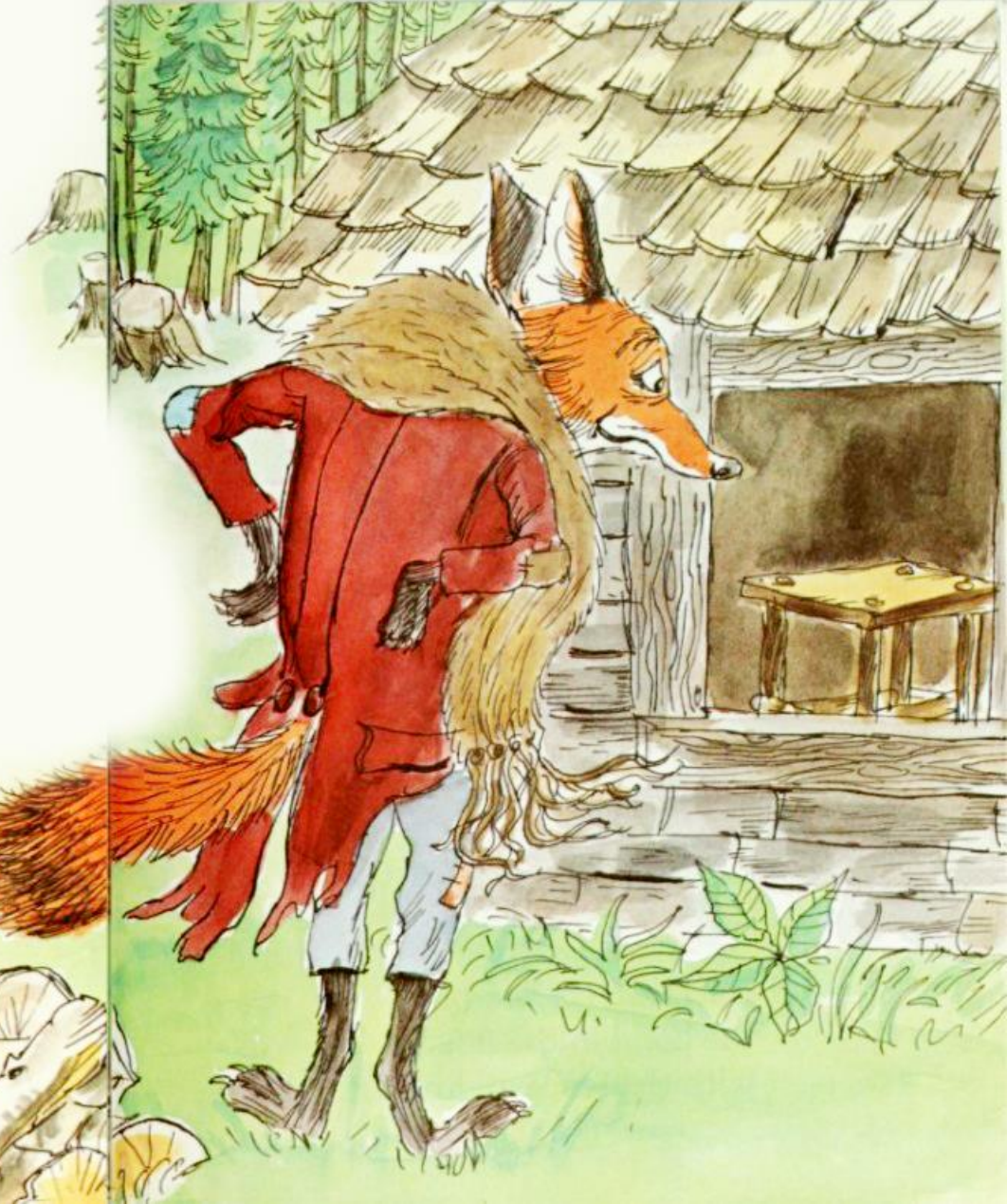
"लकड़हारे को वो टेबल याद नहीं रहेगी,"
लोमड़ी ने सोचा.

और उसने टेबल चुरा ली.

लोमड़ी वापस खेत में तालाब की ओर भागी,
जिसके चारों ओर बाड़ लगी हुई थी.

लोमड़ी को लगभग भुनी हुए बत्तख की खुशबू
आ रही थी, जिसे वह रात के खाने में खाएगी.

छोटी बत्तख तालाब के बीच में तैर रही थी.

"देखो, यह रही टेबल," लोमड़ी ने पुकारा.

"चलो अब आओ और मेरे साथ नाश्ता करो, बत्तख."

"तुम बहुत देर से आए हो," छोटी बत्तख ने कहा.

"तुम जब गए थे, तब मैंने नाश्ता खा लिया.

अब लगभग मेरे लंच का समय हो गया है."

"ठीक है," लोमड़ी ने पुकारा.

"फिर तुम मेरे साथ लंच करने आओ."

इतनी भागदौड़ के बाद लोमड़ी को भुनी हुए
बत्तख खाने की ज़बरदस्त भूख लगी थी.

छोटी बत्तख ने जल्दी से सोचा.

"प्लेट और कप के बिना हम लंच
कैसे खा सकते हैं?" उसने पूछा.
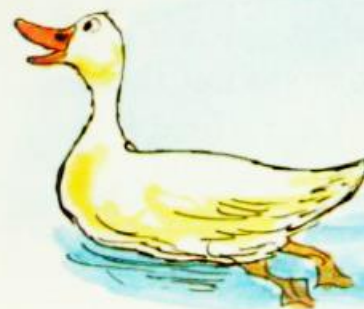
"वहीं रुको," लोमड़ी ने पुकारा.

"मैं अभी कप-प्लेट लेकर आती हूँ."

लोमड़ी खेत के उस पार भागी.

वह बाड़ के नीचे भागी.

वह सड़क पर भागी जब तक कि वह
एक कुम्हार के शेड के पास नहीं पहुँची.

कुम्हार वहाँ नहीं था,

लेकिन लोमड़ी ने वहां पर प्लेटों और
कपों का ढेर देखा.
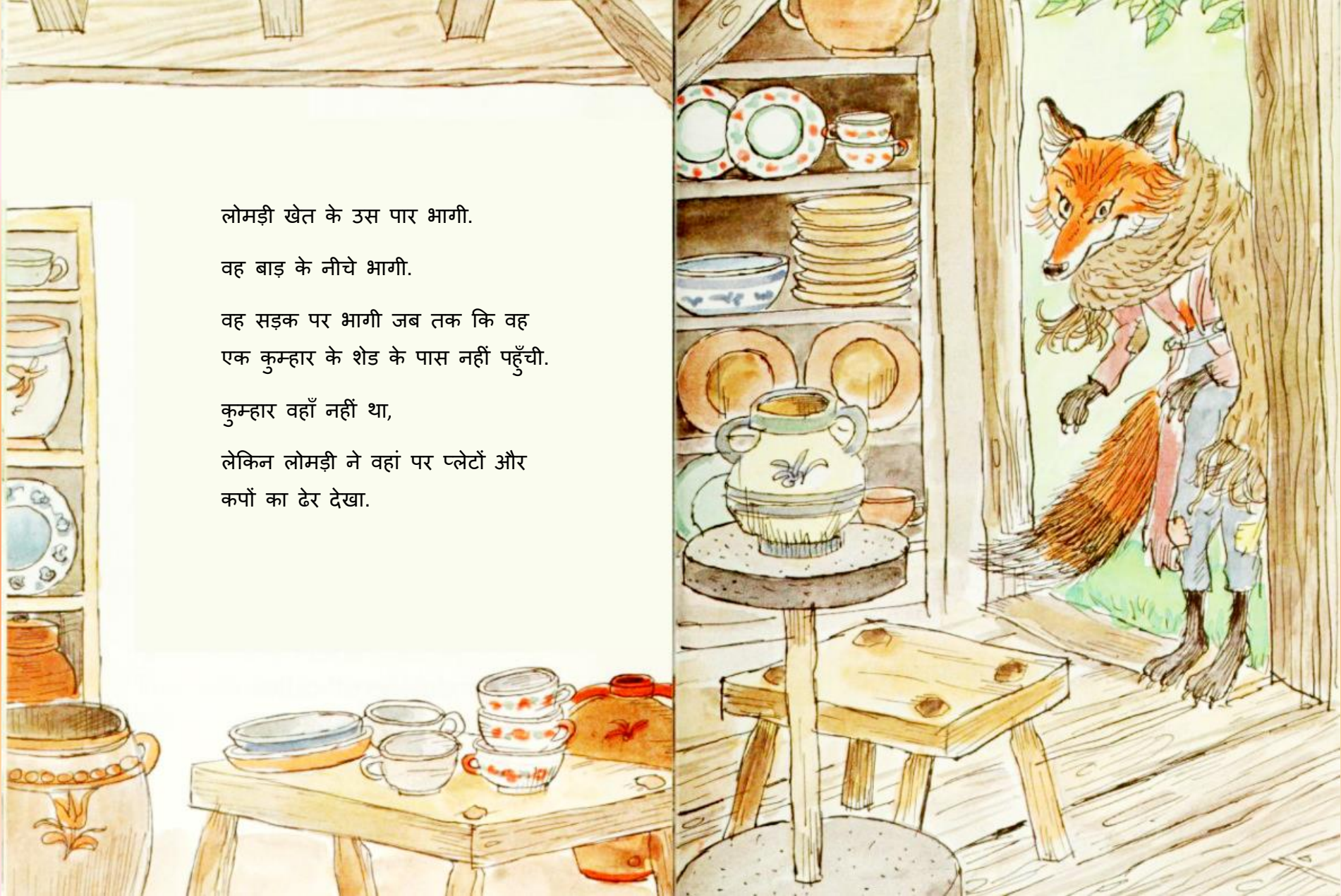
"कुम्हार को ये कप-प्लेट बिल्कुल याद नहीं आएंगे,"
लोमड़ी ने सोचा.

और उसने दो प्लेट और दो कप चुरा लिए.

लोमड़ी खेत में तालाब की ओर भागी

जिसके चारों ओर बाड़ थी.

लोमड़ी को अपने मुंह में भुनी हुई
बत्तख का स्वाद आ रहा था जिसे वह
रात के खाने में खा सकती थी.

छोटी बत्तख तालाब में तैर रही थी.

वो तालाब के बीच में थी.

"ये रहे प्लेट और कप," लोमड़ी ने पुकारा.

"आओ अब मेरे साथ आकर लंच करो, बत्तख."

"तुम बहुत देर से आए हो," छोटी बत्तख ने पुकारा.

"तुम जब गए थे, तब मैंने अपना लंच खा लिया.

अब लगभग रात के खाना खाने का समय हो गया है."

"हाँ," लोमड़ी ने कहा, और उसने अपने होंठ चाटे.

"आओ अब मेरे साथ रात का खाना खाओ."

लोमड़ी थकी हुई और चिड़चिड़ी थी

और इतनी भागदौड़ के बाद उसे भुनी हुी बत्तख खाने का बड़ा मन कर रहा था.

छोटी बत्तख ने जल्दी से सोचा.

"देखो, हम मेज़पोश के बिना कैसे खाना खा सकते हैं?" उसने पूछा.

"अगर मुझे मेज़पोश मिल जाए, तो क्या तुम मेरे साथ खाना खाओगी?" लोमड़ी ने पूछा.

"हाँ," छोटी बत्तख ने कहा.

"वहीं रुको," लोमड़ी ने पुकारा.

"मैं अभी एक मेज़पोश लेकर आती हूँ."
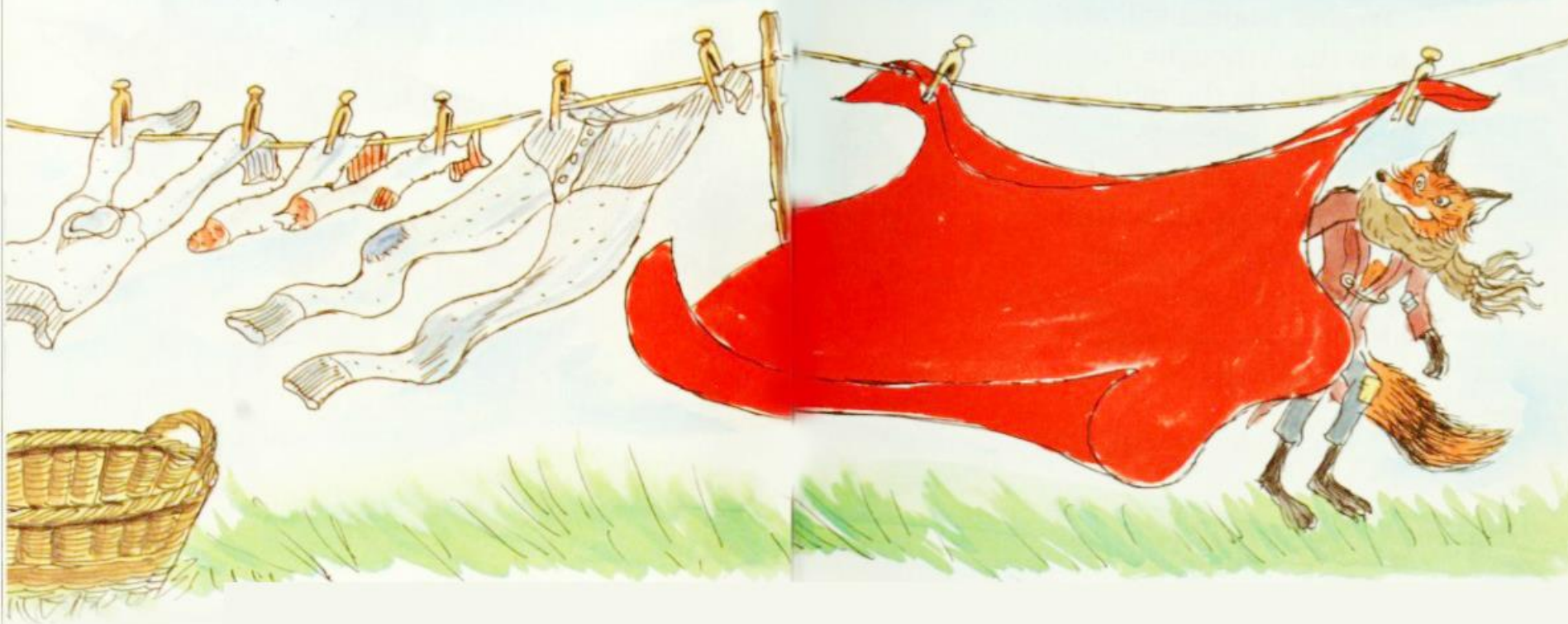
लोमड़ी खेत में भागी.

वह बाड़ के नीचे भागी.

वह नदी के किनारे भागी

जब तक कि वह एक धोबिन के घर पर नहीं पहुँच गई.

धोबिन वहाँ नहीं थी,

लेकिन कपड़ों की रस्सी पर एक

चमकदार लाल मेज़पोश लटका हुआ था.

"धोबिन को इसकी कभी याद नहीं आएगी,"
लोमड़ी ने सोचा.

और उसने मेज़पोश चुरा लिया.

लोमड़ी खेत में तालाब की ओर भागी,
जिसके चारों ओर बाड़ लगी हुई थी.

लोमड़ी भुने हुए बत्तख के खाने के पहले
निवाले का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी.

छोटी बत्तख तालाब के बीच में तैर रही थी.
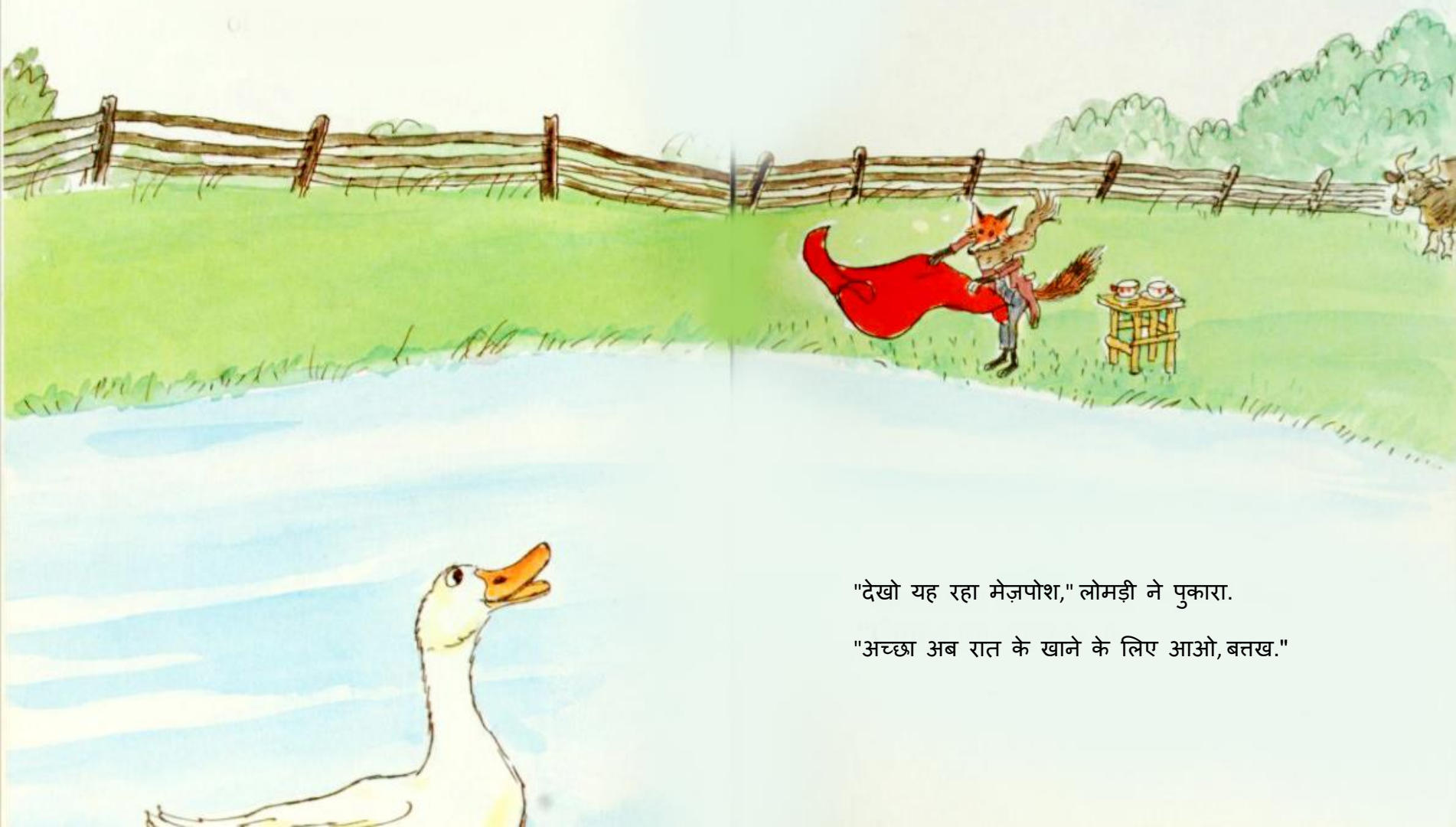
"देखो यह रहा मेज़पोश," लोमड़ी ने पुकारा.

"अच्छा अब रात के खाने के लिए आओ, बत्तख."
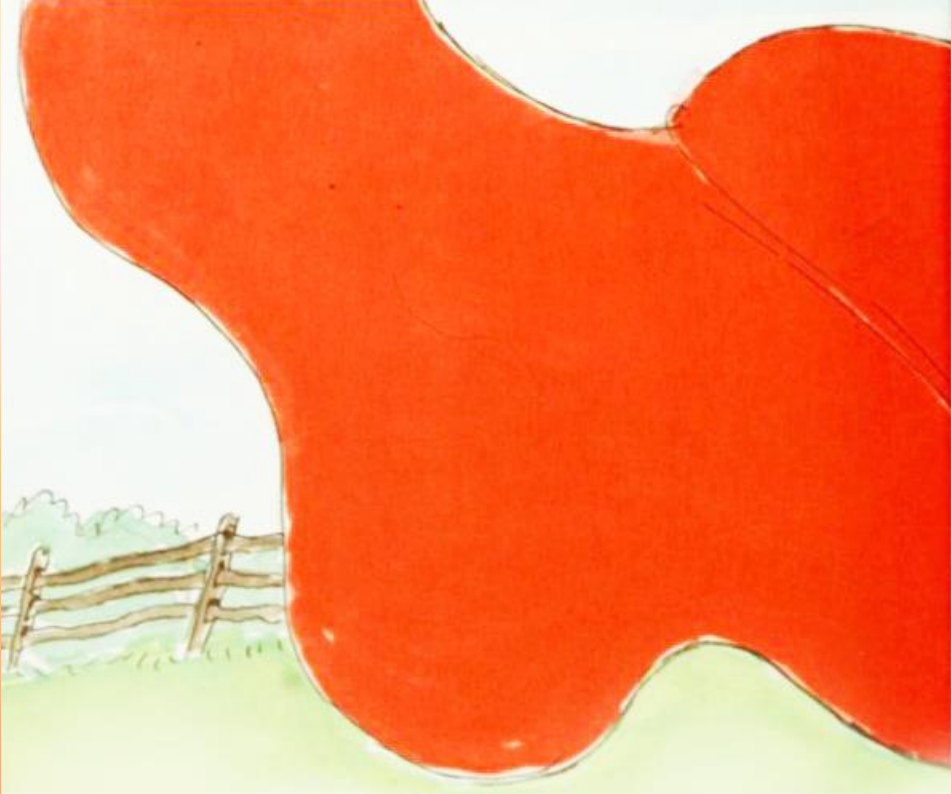
"लोमड़ी, ज़रा मेज़पोश को ऊपर उठाओ," बुद्धिमान छोटी बत्तख ने कहा.

"मुझे नहीं लगता कि यह मेज़ के लायक बड़ा है."
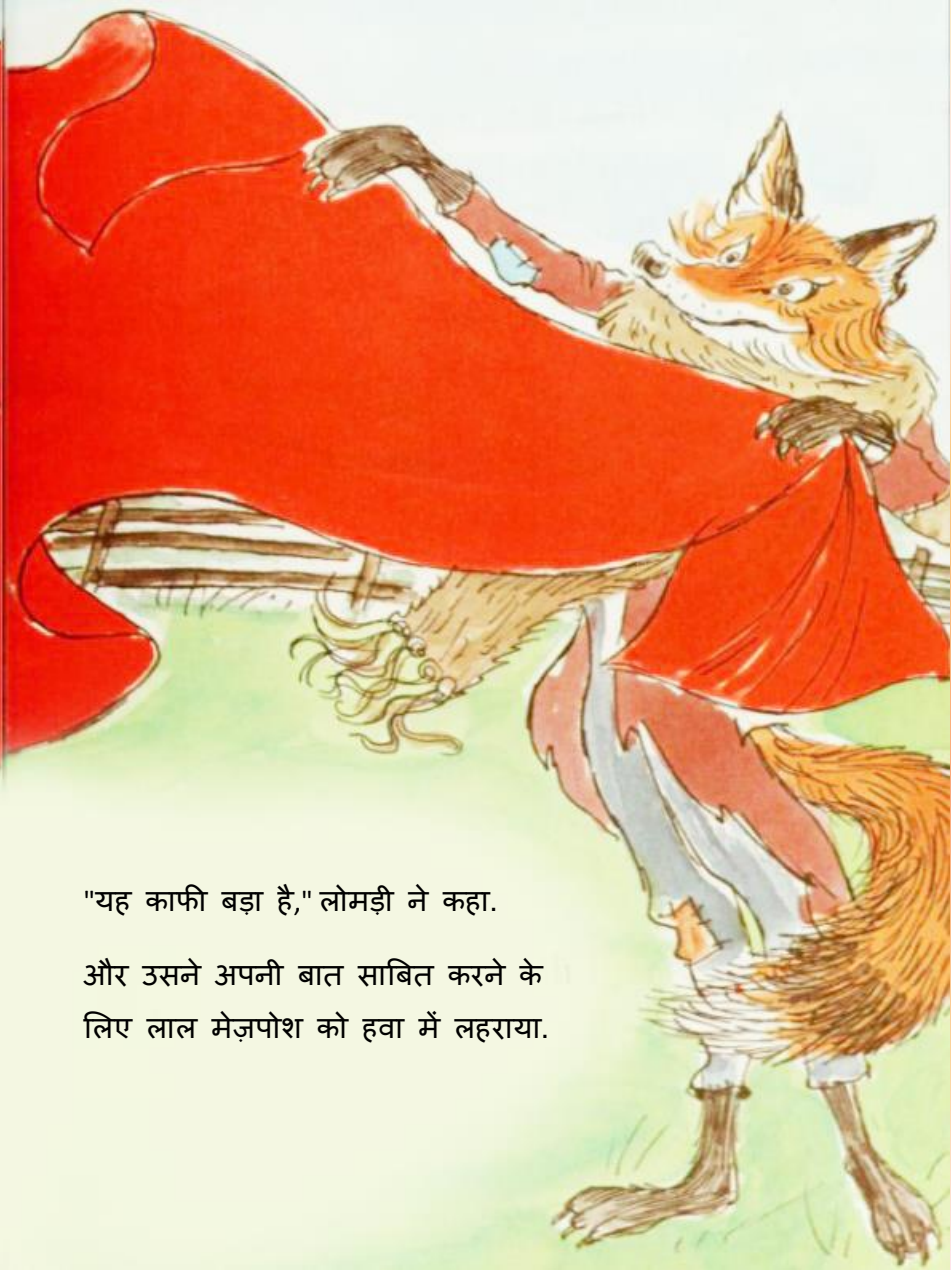
"यह काफी बड़ा है," लोमड़ी ने कहा.

और उसने अपनी बात साबित करने के लिए लाल मेज़पोश को हवा में लहराया.

तब लोमड़ी को समझ में आया कि मैदान
के चारों ओर बाड़ क्यों लगी हुई थी.

फिर लोमड़ी कभी वापस नहीं आई.

बत्तख खुशी से वहीं रही.

मैदान में तालाब पर जीवन शांतिपूर्ण था

चारों ओर बाड़ इसलिए लगी हुई थी ताकि बैल अंदर ही रहे.

लेखक के बारे में

कैथलीन लीवरिच का जन्म और पालन-पोषण ग्रीनविच, कनेक्टीकट में हुआ, लेकिन अब वह बोस्टन में रहती हैं, जहाँ वह अपना सारा समय लेखन में लगाती हैं. वह *क्रिकेट मैगज़ीन* की संपादक रही हैं और एक प्रमुख प्रकाशन गृह के साथ बच्चों की किताबों की पूर्व संपादक हैं. *द हंग्री लोमड़ी एंड द फॉक्सी डक* उनकी पहली किताब है.

कलाकार के बारे में

कैल्डेकॉट मेडल के लिए दो बार उपविजेता रहे पॉल गैल्डोन, लोककथा कला के महान गुरु ने 275 से अधिक चित्र पुस्तकों का चित्रण किया है, जिनमें से कई उन्होंने खुद भी लिखी हैं. बुडापेस्ट में पैदा होने के बाद, वह एक किशोर के रूप में न्यूयॉर्क आए जहाँ उन्होंने गाइ पेने डु बोइस, लुइस बाउच और जॉर्ज ग्रोज़ के अधीन चित्रकला का अध्ययन किया. वह और उनकी पत्नी अपना समय न्यू सिटी, न्यूयॉर्क और टुनब्रिज, वर्मोंट में अपने घरों के बीच बांटते हैं.